ALL RIGHTS RESERVED
सर्वाधिकार सुरक्षित

49/FG/CC/M–2022–37

2022

मैथिली भाषा आओर साहित्य

समय : 3 घण्टा | *पूर्णांक* : 300

अनुदेश :

- उत्तर तिरहुता **अथवा** देवनागरीमे लिखू।
- परीक्षार्थी यथासम्भव अपनहि शब्दमे उत्तर देथि।
- उपांतक अंक पूर्णांकक सूचक अछि।
- सभ प्रश्नक उत्तर देब अनिवार्य अछि।
- एक प्रश्नक विभिन्न भागक उत्तर अनिवार्य रूपसँ एकहि संग लिखबाक अछि एवं ओकर बीचमे दोसर प्रश्नक उत्तर नहि लिखबाक अछि।

SECTION—I

खण्ड—I

1. निम्नलिखित लघूत्तरीय सभ प्रश्नक उत्तर लिखू (उत्तर अधिकतम *150* शब्दमे दातव्य) : 10×5=50

(क) भाषा आ बोलीमे की अन्तर अछि?

(ख) मैथिली एवं बंगलामे कतेक साम्य अछि?

(ग) मानक मैथिलीक विशेषतासँ परिचय कराउ।

(घ) मैथिली भाषाक ऐतिहासिक विकासक्रमक संक्षिप्त परिचय दिअ।

(ङ) नाटक ओ एकांकीमे अन्तरक स्पष्ट विवेचन करू।

2. आधुनिक मैथिली आलोचनाक स्थिति एवं स्वरूपसँ परिचय कराउ। 50

अथवा

मैथिली साहित्यक विकासमे कविशेखराचार्य ज्योतिरीश्वर ठाकुरक योगदानक उल्लेख करू।

3. आधुनिक मैथिली उपन्यासक विकासक समीक्षा करू। 50

अथवा

कालखण्डक दृष्टिसँ मैथिली साहित्यक परिवर्तित स्वरूपक विवेचन करू।

SECTION—II

खण्ड—II

4. निम्नलिखित पर लघु टिप्पणी लिखू (अधिकतम *150* शब्दमे दातव्य) : 10×5=50

(क) विद्यापतिक पदमे भाव-बोधक सरलता ओ मिठास

(ख) गोविन्ददास ओ विद्यापतिक पदक नायक-नायिका

(ग) मिथिला भाषा रामायणक आधारपर सीताहरणक योजना

(घ) मनबोधक कृष्णजन्मक विशेषता

(ङ) यात्रीजीक कवितामे मार्मिक व्यंग्य

5. हरिमोहन झाक उपन्यासमे समाज-कल्याणक भावना अन्तर्निहित अछि—सत्यापित करू। 50

अथवा

रमानाथ झा एक उच्च-कोटिक साहित्य-समीक्षक छलाह—अपन विचारसँ अवगत कराउ।

6. पूर्वापेक्षा मिथिलामे भ' रहल चारित्रिक स्खलनसँ होमए वाला विनाशक संकेत 'मिथिला नाटक' मे निर्देशित अछि—अपन विचार व्यक्त करू। 50

अथवा

आधुनिक मैथिली साहित्यक बहुविध विकासमे कवीश्वर पं० चन्दा झाक योगदान चिरकालपर्यन्त अक्षुण रहत—एहि उक्तिक समीक्षा करू।

★★★